Serial No. | F–DTN–L–SAD–J

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

*Candidates should attempt **ALL** questions.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

*Answers must be written in **Maithili** (Devanagari Script) unless otherwise directed.*

*Prescribed word limit must be followed for Q. No. 3. The precis must be attempted **only** on the special precis sheets attached to this question paper. These precis sheets are to be carefully detached from the question paper and securely attached to the answer book.*

1. निम्नलिखित विषय मे सँ कोनो एक विषय पर लगभग **300** शब्द मे निबंध लिखू :— 100

   (क) राजनीति आ व्यक्तिगत नैतिकताक प्रश्न !

   (ख) सामाजिक विकास लेल मुख्य प्रेरक के-धर्म आ कि विज्ञान ?

   (ग) सभ लेल भोजन : हमर सबहक प्रजातांत्रिक प्रणाली लेल एकटा चुनौती !

(घ) त्वरित गतिक संस्कृति हड़बड़ी आ अपराधवृत्ति कें जन्म दैत अछि !

(ङ) कृत्रिम बुद्धि, मानव बुद्धिक विकल्पक रूप मे !

2. निम्नलिखित गद्यांश कें ध्यानपूर्वक पढ़ि गद्यांशक अंत में देल गेल प्रश्नक उत्तर लिखू। उत्तर स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त हेवाक चाही :— $6 \times 10 = 60$

हमरा सभ औद्योगिकताक तीव्र दौर सँ गुजरि रहल छी आ अपन उद्योग मे बेसी सँ बेसी संख्या मे नोकरी से हो दऽ रहल छी। भारत मे एकर कोनो महत्व नहि रहि गेल अछ जे अहाँ जाहि विशेष कार्य कें करवा लेल चाहैत छी ओकर विषय मे कतेक जनैत छी, अहाँ किनका जनैत छी से बेसी महत्वपूर्ण अछि ताकि रोजगार भेटवा मे अहाँ ओहि प्रभाव केर उपयोग कऽ सकी। लोग ई नहि सोचैत अछि जे नीकं परिणाम लेल योग्यता कतेक आवश्यक अछि। हमर सबहक शिक्षा मे उत्कृष्टताक विकासक सुनिश्चित महत्व अछि मुदा, हम यदि उत्कृष्टता कें मोजर नहि दैत छी तँ एहि सँ योग्यताक अवमानना होयत अछि। एहि कारण हमर शिक्षा-पद्धति एक दिसि तँ विषाक्त आ दूषित भऽ रहल अछि एवं दोसर दिसि सामाजिक शिक्षाक लेल आंदोलन प्रारम्भ करवाक इच्छाक गर घोंटि देल जायत अछि।

जखन कोनो पुलक निर्माण कयल जाइत अछि आकि सड़क बनाओल जाइत अछि तँ बौल, सीमेन्ट, चून आदिक उचित मिश्रण लेल एकटा निश्चित अनुपातक अनुसरण कयल जाइत अछि जाहि सँ सड़कक निर्माण नीक सँ भऽ सकय आ बेसी काल धरि स्थायी रहि सकय ! मुदा, हमर अनुभव एहि विषय मे हमरा सभ कें एकर अधोगतिक कथा सुनवैत अछि, जखन हमरा ज्ञात होइत अछि जे कोनो बाँध में कटैया लागि गेल आ कि कोनो सड़क बरखाक पानि मे बहि गेल।

ई विषय गुणवत्ता नियंत्रण सँ जुड़ल अछि जकर संबंध खाली भौतिक सामग्री सँ नहि मुदा, मनुख आ ओकर अपन उत्तरदायित्वक ज्ञान सँ सेहो अछि। अभाग्यवश हमर प्रजातांत्रिक व्यवस्था किछु एहेन परिस्थितिक निर्माण करैत अछि जाहि मे योग्यता कें व्यवस्थित रूप सँ उपेक्षित कयल जायत अछि आ लोगबाग बजैत छथि जे एहि देश मे गुणक कोनो महत्व नहि। एहि बात सँ मोने इएह भाव अबैत अछि जे एहि ठाम योग्यता, कार्यक्षमता आ नैतिक औचित्य कें कोनो मोजर नहि दऽ लोकसेवाक कोनो पद प्राप्त कयल जा सकैत आ सार्वजनिक काज से हो कयल जा सकैत अछि।

(क) एहि देश मे लोग नीक रोजगार पएबाक हेतु की सोचैत अछि ?

(ख) हम योग्यताक प्रति सम्मान करून स्खलित कऽ दैत छी ?

(ग) योग्यताक प्रति असम्मानक दुष्परिणाम की होयत छैक ?

(घ) जखन हम आन लोगक उत्तरदायित्व-बोध केर सम्मान नहि कऽ सकैत छी तँ एकर की परिणाम होयत छैक ?

(ङ) योग्यता, कार्यक्षमता आ उत्तरदायित्वक प्रति उपेक्षाक की कारण भऽ सकैत अछि ?

(च) गद्यांश में रेखांकित वाक्यांशक अर्थ अपन भाषा मे समझाबू।

3. निम्नलिखित गद्यांशक करीब **190—210** शब्द मे संक्षेपण तैयार करू। शब्द-सीमाक उल्लंघन भेला पर अंक कटि जायत। अपन संक्षेपण फराक सँ देल कागत पर लिखू आ ई संक्षेपण **150** शब्द सँ कम आ **250** शब्द सँ नम्हर भेला पर अंक एकदम्मे नहि देल ना सकैत अछि :— 60

हम ओहि समय लगभग सात बरखक होयब जखन हमर पिता राजस्थानिक न्यायालयक सदस्य बनवा लेल पोरबंदर सँ राजकोट चलि ए लाह। ओहि ठाम हमरा प्राथमिक पाठशाला मे भरती करा देल गेल। ओहि पाठशाला मे हमरा पढ़वऽ वला शिक्षक

सबहक नाम एवं अन्य विशेषता हमरा नीक जकाँ मोन अछि। जहिना पोरबंदर मे छल व एह सभ तँ एहि ठामो हमर पढ़ाईक विषय मे कोनो खास उल्लेखनीय गप्प नहि छल। हम तँ औसत प्रतिभाक एकटा विद्यार्थी मात्र छलहुँ। एहि पाठशाला सँ हम एकटा उपनगरीय पाठशाला में गेलहुँ आ ओहि ठामसँ हाईस्कूल। तखन धरि हम बारह बरखक भऽ गेल छलहुँ। हमरा मोन नहि पड़ैत अछि जे एहि थोड़बा काल मे हम अपन अध्यापक आ कि सहपाठी सँ कहियो फुसि बाजल होयब। हम बड़ लजकोटर छलहुँ। सभ तरहक लोग सँ काते रहैत छलहुँ। हमर पोथी आ हमर पाठ हमर एकमात्र संगी छल। ठीक समय मे स्कूल गेनाय आ स्कूल बंद होयतहि घर भागि कें आबि जायत छलहुँ। ई हमर प्रतिदिनक हिस्सक छल। सरि पहुँ, हम केकरो सँ गप्प नहि कऽ सकैत छलहुँ तैं भागि के घर आबि जायत छलहुँ। हमरा एहि बातक भय सेहो होयत छल जे केओ हमर उपहास नहि करऽ लागैक।

एकटा घटना बड़ उल्लेखनीय अछि जे हमर हाईस्कूलक पहिलुक बरख मे घटल छल। शिक्षा निरीक्षक मिस्टर जाइल्स निरीक्षण लेल आयल छलाह। वर्त्तनी अभ्यास (spelling exercise) लेल ओ हमरा सभ कें पाँच शब्द लिखवा लेल देलनि। एहि मे सँ एकटा शब्द छल 'Kettle'। हम ओकर वर्त्तनी गलतिए लिखि देने छलौं। हमर अध्यापक अपन जूताक द्वारा हमरा ओहि शब्द कें ठीक करबाक लेल संकेतक प्रयास केलनि। मुदा, ओ सहायता नहि लेवाक छल। ई गप हमरा बुझवा मे नहि आबि रहल छल जे ओ चाहैत छलाह जे लग मे बैसल छात्रक स्लेट सँ नकल कऽ अपन गलती ठीक कऽ ली।

हम तँ इएह बुझैत छलहुँ जे अध्यापक सभ नकल करवा सँ रोकवा लेल हमर सबहक निरीक्षण करैत छथि। परिणाम ई भेल जे हमरा छोड़ि सभ विद्यार्थीक लिखलाहा प्रत्येक शब्दक हिज्जे सही पाओल गेल। एकटा हम हीं बेकूफ बनि रहि गेल हुँ। बाद मे शिक्षक महोदय हमर एहि बेकूफीक लेल हमरा समझएवाक

(Contd.)

प्रयत्न केलनि। मुदा, हमरा पर एकर कोनो प्रभाव नहि पड़ल। हम नकल करवाक कला कहियो नहि सीखि सकलहुँ।

एहेन नहि जे एहि घटना सँ हमरा अपन अध्यापकक प्रति सम्मान एकदम्मे कम भऽ गेल होय। हमर स्वभावे एहेन छल जे हम आन कें दोख नहि दैत छलहुँ। बाद मे एहि अध्यापक महोदयक कतेको दुर्बलताक पता लागल मुदा, हुनका प्रति हमर सम्मान पूर्ववत छल।

हम अपना सँ पैधक आज्ञाक पालन करवा लेल सीखने छलहुँ ओकर विश्लेषण कहियो नहि कयल हुँ—आ इएह कारण छल।

एहि कालावधि सँ जुड़ल दुई टा आर घटना हमर स्मृति मे अक्षुण्ण रहल। विद्यालय लेल निर्धारित पोथीक अतिरिक्त आर किछु पढ़वा मे हमरा अरुचि रहैत छल। प्रतिदिनक निर्धारित अध्ययन तँ हमरा करवाके छल कारण जे हमरा अध्यापक द्वारा दंडित भेनाय ओतवे नापसिन्न छल जतवा कि हुनका धोखा देनाय! एहि कारण हम बड़ मनोयोग सँ अपन पाठ पूरा कऽ लैत छलहुँ। जखन कि हमर पाठे सम्यक रूप सँ पूर्ण नहि होयत छल तँ अतिरिक्त अध्ययनक प्रश्ने कतऽ छल ? मुदा, हमर पिताजी द्वारा कीनल एकटा पोथी पर हमर दृष्टि निक्षेप भेल, ओ पोथी छल 'श्रवण पितृ-भक्ति नाटक' (अपन मातापिताक लेल श्रवणक भक्ति-भाव केर नाटक) हम बड़ गहीर भऽ कऽ ओ पोथी पढ़लहुँ। ओहि समय हमरा ओतऽ घूमंतू कलाकार आयल छलाह। ओ हमरा चित्र सभ देखेलन्हि जाहि मे एकटा चित्र श्रवण केर छल जे अपन कान्ह पर राखल झोराक मदति सँ अपन आन्हर माता-पिता कें तीर्थयात्रा पर लऽ जा रहल छलाह। ई पोथी आ ई चित्र हमरा पर अभूतपूर्व प्रभाव छोड़लक। हम स्वयं सँ बाज लहुँ ई एकटा एहेन उदाहरण थीक जकर नकल हमरा करवाक चाही'। श्रवणक मृत्यु पर हुनक मातापिताक करुण रोदन एखनहुँ हमर स्मृति मे सजल अछि। द्रवित करऽ बला ओकर धुन हमरा अन्तरतम धरि प्रभावित केलक आ एहि धुन कें हम पिताजी द्वारा कीनल बाजा पर बजओने छलहुँ।

(Contd.)

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिली मे करू :— 20

Tulasidas's imagery covers a vast range. No poet of medieval period — not even his great contemporary Surdas — can vie with Tulasidas in respect of the infinite variety of imagery employed by him. He has collected his images from peasant life, court life, priestly environments, rural and civic life, philosophical treatises, literary classics, mythological works and folk literature. His poetry is a vast gallery of all kinds of images ranging from exquisite miniature paintings to large frescoes. Normally he likes simple and integrated images, but is quite capable of creating complex imagery as well. What he seems to abhor is a truncated image of which we can hardly search out a single example. His whole poetic creation is an endless endeavour to give a concrete tangible form to the abstract — to impart physical charms and mental qualities of human personality to an absolute concept. Actually the very conception of Personified Godhood is a grand exercise in image-making. In this context, what is of special relevance to the modern reader in Tulasidas's art is his unconventional approach to literary-cultural tradition and religion. A number of poets in other Indian languages have also produced great literature in this regard, but Tulasi appears to have surpassed them all.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजी मे करू :— 20

ई सर्वविदित अछि जे विश्वक निर्माण, विकास आ रक्षा प्रकृति

पर निर्भर छैक आओर प्रकृतिक निर्माण आ रक्षा में वृक्ष, बोन, लत्ती, पादप, गुल्म, तृणक बड़ पैघ महत्व छैक। सरिपहुँ, मनुखक अस्तित्व वृक्षे, बोन आदि पर आधारित अछि। गाछ बीरीछ माटिक मुख्य रक्षक सेहो अछि। ओ अन्हड़-बिरड़ो केर वेग कें रोकैत अछि आ माटि कें उड़वा सँ बचबैत अछि।

गाछ बीरीछ पहाड़क क्षरण कें सेहो रोकैत अछि एवं ओकरा स्थिर राखवा मे समर्थ अछि। जंगले सँ माल-जाल, चिड़ै चुनमुनक रक्षा होयत अछि आ 'पारिस्थितिक' संरक्षण से हो। बरखाक कारणो इएह थीक। जाहि ठाम गाछ बेसी होयत छैक, बरखो ओहि ठाम बेसिए होइत छैक। मुदा, मरुभूमि ओहि बरखालेल तरसि जायत छैक। बरखा सँ अनाजक उत्पादन सेहो संभव होइत छैक। अन्ने पर तँ मनुक्ख जीवित रहैत अछि।

नाना प्रकारक गाछ बीरीछक पात सभ खाय माल-जाल सेहो जीवित रहै'छ। गाछहि सँ हमरा सभ कें जारन आ घर बनेवा लेल लकड़ीक जोगार सेहो होयत अछि। रेलगाड़ी, पानिक जहाज, हवाईजहाज आदिक निर्माण करवा लेल गाछ-बीरीछ सँ प्राप्त लकड़ी सेहो उपलब्ध होइत अछि।

नाना प्रकारक दवाय, गोंद, क़ागत, सलाइ संगहि भाँति भाँति केर रसगर आ पौष्टिक फल-फलहारिक अक्षुण्ण स्रोत अछि गाछ-बीरीछ। गाछक शीतल छाहरि मे हमरा सभकें घाम-पसेना सँ मुक्ति भेटैत अछि। एकर फूलक सुरभि हमर सबहक मोन मस्तिष्क मे नव ऊर्जा सेहो भरैत अछि।

6. (क) सर्वनामक परिभाषा अपन शब्द मे लिखू तथा सर्वनामक कतेक भेद अछि, सोदाहरण स्पष्ट करू। 10

(ख) अनेक शब्दक बदला एकटा शब्द लिखू मात्र **पाँच** टा चुनिकें :— $2\times5=10$

(i) जे माटिक बरतन बनवैत अछि

(ii) कम बाजयबला

(iii) जकरा मे स्वार्थक भावना होय

(iv) जे बहु बजैत अछि

(v) कम खरच करय बला

(vi) जाहि मे कोनो गुण नहि

(vii) नीचा लिखल

(viii) जे मीठ बजैत अछ

(ix) जकरा संतान नहि अछि

(x) जकर मुँह मे बाजब नहि।

(ग) निम्नलिखित मोहावरा मे सँ कोनो **पांचक** अर्थ स्पष्ट करैत वाक्य मे प्रयोग करू :— 4×5=20

(i) बड़ बड़ गेला तँ मोछ बला एला

(ii) तामसे माहुर भेनाय

(iii) मियाँ बुझलक पियौज

(iv) डुमरिक फूल

(v) घाह पर नोन छीटब

(vi) बहिरा नाचे अपने ताल

(vii) नाच ने जाने तँ अंगने टेढ़

(viii) चान उगब

(ix) जान ने पहिचान बड़का मियाँ सलाम

(x) बावनं हाथक अंतड़ी।

Sr. No.

F–DTN–L–SAD–J

अपना अनुक्रमांक इन पत्रकों पर न लिखें

DO NOT WRITE YOUR ROLL NO. ON THESE SHEETS

MAITHILI
(Compulsory)

सार लेखन के लिए विशेष पत्रक

SPECIAL SHEETS FOR PRECIS

इस पत्रक के दोनों ओर लिखिए। प्रत्येक खण्ड में एक शब्द और प्रत्येक पंक्ति में पांच शब्द लिखिए। अपने उद्धरण में सामान्य रूप से विराम आदि चिन्ह लगाइए और यदि आवश्यक हो तो प्रत्येक पैराग्राफ के अन्त में एक पंक्ति खाली छोड़ते हुए इसे पैराग्राफों में विभक्त कीजिए। यदि चाहें तो उत्तर-पुस्तिका के साधारण कागज पर पहले एक कच्चा प्रारूप तैयार कर सकते हैं। अपनी उत्तर-पुस्तिका दे देने से पहले कच्चे कार्य को आर-पार पंक्ति डालकर काट दिया जाना चाहिए। आप सारपत्रक को अपनी उत्तर-पुस्तिका के अन्दर सुरक्षित रूप से बांध दीजिए।

Use both sides of this sheet. Write one word in each division and five words in each line. Punctuate your passage in the usual way and divide it into paragraphs, if necessary, leaving a line blank at the end of each paragraph. You may make a rough copy first, if you so wish, on ordinary paper in the answer-book. The rough work should be scored through before you hand over your answer-book. You should fasten the precis sheet securely inside your answer-book.

शीर्षक Title					इस हाशिए में न लिखें Do not write on this margin
					10
					20
					30
					40
					50
					60

					70
					80
					90
					100
					110
					120
					130
					140
					150
					160
					170
					180

					190
					200
					210
					220
					230
					240
					250
					260
					270
					280
					290
					300